peel District School Board

विश्व–व्यापी रोग की तैयारी की योजना की यथार्थ पत्रिका

पील बोर्ड विश्व–व्यापी रोग की तैयारी की योजना विद्यार्थीओ और कर्मचारीयो को सुरक्षित रखने पर ध्यान केन्द्रित करती है

यह विश्व–व्यापी रोग क्या है?

एक छूती विमारी जो जलदी से फैलती है, उसे विश्व–व्यापी रोग कहा जाता है। इन्फ्लुएन्ज़ा को एक प्रकार का विश्व–व्यापी रोग कहा जा सकता है – विश्व–व्यापी फ्लु एक वहुत ही ज्यादा छूती विमारी है, जो विषाणु से फैलनेवाली साँस की विमारी है, और जो फ्लु का एक नया प्रकार दिखने पर ज़लदी से फैल जाती है। मनुष्यों के पास इस नये विषाणु के प्रति रोग प्रतिकारक शक्ति वहुत कम होगी या विलकुल नही होगी।

यह विश्व–व्यापी रोग कब होगा?

विशेषज्ञ कह नही सकते कि, अगली वार का विश्व–व्यापी रोग कव फैलेगा, लेकिन ऐतिहासिक रीति से हर 100 साल में यह तीन से चार वार होता रहता है। वर्ल्ड हेल्थ ओर्गेनाइज़ेशन और केन्द्रिय, प्रान्तिय और स्थानिक आरोग्य अधिकारीयो ने विश्व–व्यापी रोग की तैयारी की योजना का आरम्भ कर दिया है।

कितने लोगों को असर होगा?

विशेषज्ञ कह रहे है कि यह संभावना है कि, विश्व–व्यापी रोग के समय कभी न कभी 40 से 60 प्रतिशत कर्मचारी काम से अनुपस्थित रहेंगे। ऐसी अर्थपूर्ण अनुपस्थिति के कारण पील बोर्ड की कइ सेवाएँ रद करनी पडेगी।

पील बोर्ड विश्व–व्यापी रोग की योजना क्या है?

पील बोर्ड विश्व–व्यापी रोग के लिये अच्छी तरह से तैयार है। 2005–06 के शाला के साल के समय बोर्ड ने अपनी शालाएँ और काम करनेकी जगहों के लिये विश्व–व्यापी रोग की तैयारी की योजना बनाइ है। यह योजना बनाते समय बोर्ड ने पील हेल्थ और मिनीस्ट्रीज़ ओफ एज्युकेशन और हेल्थ और अपने खुद के कर्मचारीओं के संघ और युनियनो के साथ कदम मिला कर काम किया है।

ओन्टारियो में अगर विश्व–व्यापी रोग का किस्सा प्रमाणित हो जाये तो पील बोर्ड अपनी विश्व–व्यापी रोग की योजना का उपयोग करेगा। विश्व–व्यापी रोग के समय जिन प्रान्तिय और स्थानिक आरोग्य अधिकारी खास स्थिति से होने वाले आरोग्य के खतरों को ठीक से समज़ सकते है उन के परामर्श और मार्गदर्शन का बोर्ड अनुसरण करेगा।

विश्व–व्यापी रोग के समय हमारी यही प्रधानता रहेगी कि हम जहाँ तक हो सके शालाएँ खुली रक्खेंगे या, अगर ओन्टारियो के पब्लिक हेल्थ अधिकारी कुछ अन्य मार्गदर्शन दे तो उस का अनुसरण किया जायेगा। अगर कर्मचारीओं की या विद्यार्थीओ का स्वास्थ्य और सलामती की चिन्ता हो जाये तो बोर्ड अपनी शालाएँ और काम करनेकी जगहों को वंद करने का सोच सकता है।

विश्व–व्यापी रोग के समय क्या प्रवृत्तियाँ सामान्यतः चलती रहेगी?

अगर ओन्टारियो के वाहर विश्व–व्यापी रोग की घोषणा कि जायेगी तो पील बोर्ड अपनी नियमित सेवाओ का प्रवन्ध सामान्यतः करता रहेगा। पर ओन्टारियो में अगर विश्व–व्यापी रोग की घोषणा कि जायेगी तो पील बोर्ड अपनी विश्व–व्यापी रोग की योजना का उपयोग करेगा। इस के परिणाम स्वरूप ज्यादातर प्रवृत्तियाँ चलती रहेगी लेकिन वहुत ही अलग तरीके से प्रवन्धित कि जायेगी। ओन्टारियोमें अगर विश्व–व्यापी रोग की घोषणा होने पर यदि शालाएँ खुली भी रही तो सामान्यतः चलते हुए कार्यक्रम और सेवाएँ कदाचित वही कक्षा के न भी हो।

ओन्टारियोमें विश्व–व्यापी रोग की घोषणा के समय कौनसी प्रवृत्तियाँ चलती रहेगी?

जैसे कि उपर बताया गया है ओन्टारियो में विश्व–व्यापी रोग की घोषणा के समय ज्यादातर प्रवृत्तियाँ चलती रहेगी। ये प्रवृत्तियाँ चलती रहेगी लेकिन वहुत ही अलग तरीके से प्रवन्धित कि जायेगी जिस के कारण सामान्यतः चलते हुए कार्यक्रम और सेवाएँ कदाचित वही कक्षा के न भी हो। जहाँ तक उचित माना जायेगा तव तक हम ये प्रवृत्तियाँ जारी रखने की आशा रखते हैः

- सूचना, छानवीन और विवरण
- विद्यार्थीओ का निर्वासन – जव तक शालाएँ चलती रहेगी वस नियमानुसार समय पर चलती रहेगी
- वच्चों की सम्भाल – जव तक काम करना सलामत हो तव तक सेवाएँ मिलती रहेगी

- प्रासंगिक शिक्षक – शालाओ में काम और निरीक्षण उचित मात्रा में करने के लिये व्यवस्थापक प्रासंगिक शिक्षक ला पायेंगे
- स्वयंसेवक – पील शालाओ में नियमानुसार चलती हुई सेवाओ की समयांतर जाँच होती रहेगी।
- खान पान की सेवाएँ और आतिथ्य सत्कार के कार्यक्रम
- दिन प्रतिदिन की सेवाएँ – इन में हिटींग, एयर कन्डिशनिंग, प्लबिंग, इलेक्ट्रीकल और कम्प्युटर रिपेर का समावेश होता है
- कचरा इकट्ठा करना
- सुरक्षा सुविधाएँ – अगर शालाएँ बंद हो तो अधिकतर सुरक्षा संत्री लाये जायेंगे
- बोर्ड मिटींग – अधिक बार और, या फिर कम्प्युटर के द्वारा कि जायगी
- क्रिटीकल इन्सीडन्ट रिस्पोन्स टीम्स – चलती रहेगी लेकिन हमेशा की तरह फैली न होगी
- ज़रूरी चीज़े मंगवाना
- आंतरिक कुरियर और प्रिन्टींग

ओन्टारियो में विश्व–व्यापी रोग की घोषणा के समय कौनसी प्रवृत्तियाँ बंद कि जायगी?

हमारे समाज को अत्यावश्यक सेवा देने के लिये विश्व–व्यापी रोग के समय ये प्रवृत्तियाँ बंद कि जायेगीः

- इतर प्रवृत्तियाँ
- शाला में चलने वाले खानपान के कार्यक्रम – जैसे कि पीझा डेज़
- फिल्ड ट्रीप्स या एस्कर्ज़न्स – सभी फिल्ड ट्रीप्स या एस्कर्ज़न्स रद्द किये जायेंगे, इन में उस का भी समावेश किया जायेगा जो पूर्वयोजित हो और जिस के लिये परिवारो ने पैसे भी दिये हो
- शाला की काउन्सिल मिटींग – आचार्यश्री शाला की काउन्सिल के चेयर के नियमित संपर्क में रहेंगे
- प्रोफेशनल डेवलपमेन्ट की प्रवृत्तियाँ
- कर्मचारीओं की सभा –जिस सभा में प्रबंधको और कर्मचारीओं को शाला से बाहर जाना पडे, उसे रद्द कि जायेगी या तो फिर टेलिकॉन्फरन्स से कि जायेगी
- शाला के समय के बाद के अनुमति–पत्र – शाला की जगह या चीज़ो का उपयोग करने के लिये अस्तित्व में होने वाले और नये अनुमति–पत्र
- कन्टीन्युइँग एज्युकेशन – रात्रि–शाला, समर स्कूल और आंतरराष्ट्रीय भाषा कार्यक्रम
- शाला के सामाजिक उपयोग – शाला के समय के बाद की प्रवृत्ति या सामाजिक शाला में प्रवेश
- घर के लिये सूचना

ओन्टारियो में विश्व–व्यापी रोग की घोषणा के समय पील बोर्ड अपने कर्मचारीओं को और समाज को कैसे सूचित करेंगे?

सभी कर्मचारी, विद्यार्थी, माता–पिता और समाज के सभ्यो को अपनी योजना ठीक समय पर पहुँचती रहे उस के लिये पील बोर्ड कटिबद्ध है। बोर्ड ने एक विस्तृत योजना बनाई है जिस से यह स्थापित हो सकता है कि सभी श्रोताजनो को ओन्टारियो के बाहर विश्व–व्यापी रोग की घोषणा से पहले या उस समय, या फिर ओन्टारियो में विश्व–व्यापी रोग निश्चित होने के समय सूचना मिलती रहेगी।

ओन्टारियो में विश्व–व्यापी रोग की घोषणा के समय, शाला की परिस्थिति की विस्तृत सूचना बोर्ड दो मुख्य स्रोतो से देता रहेगा: पील बोर्ड की वेबसाइट – www.peelschools.org – और विश्व–व्यापी रोग की एक फोन लाइन।

आने वाले महिनो में हम विश्व–व्यापी रोग की तैयारी की योजना पर काम करते रहेंगे और आप तक नई सूचनाएँ पहुँचाते रहेंगे।